

## अनुक्रमणिका

मंगलकामना .....	1
समर्पण .....	2
प्रकाशकीय .....	3
प्राक्कथन .....	4
कैलास श्रुतसागर सूची प्रकाशन की रूपरेखा .....	5-6
प्रस्तुत हस्तप्रत सूचीगत सूचनाओं का स्पष्टीकरण .....	6-9
हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य .....	10
प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत .....	11-12
अनुक्रमणिका .....	13
<b>हस्तप्रत सूची</b> .....	1-474
<b>परिशिष्ट: कृति परिवार की मूल कृति के अकारादि क्रम से - परिचय</b> ...	475-477
१. कृति नाम से प्रत-पेटा कृति क्रमांक सूची (संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंशादि) .....	478-531
२. कृति नाम से प्रत-पेटा कृति क्रमांक सूची (मा.गु., प्राचीन हिन्दी, राजस्थानी आदि) .....	532-590

प्रस्तुत सूची पत्र में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

- प्रत क्रमांक - १७३०१ से २१०००.
- इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किए जाने के कारण वास्तविक रूप से २७०१ प्रतों का समावेश इस खंड में हुआ है.
- समाविष्ट प्रतों में कुल २३२० कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
- इन परिवारों की कुल ३००२ कृतियों का समावेश हुआ है.
- उपरोक्त कृतियाँ प्रतों में कुल ५६८३ बार आई हैं.